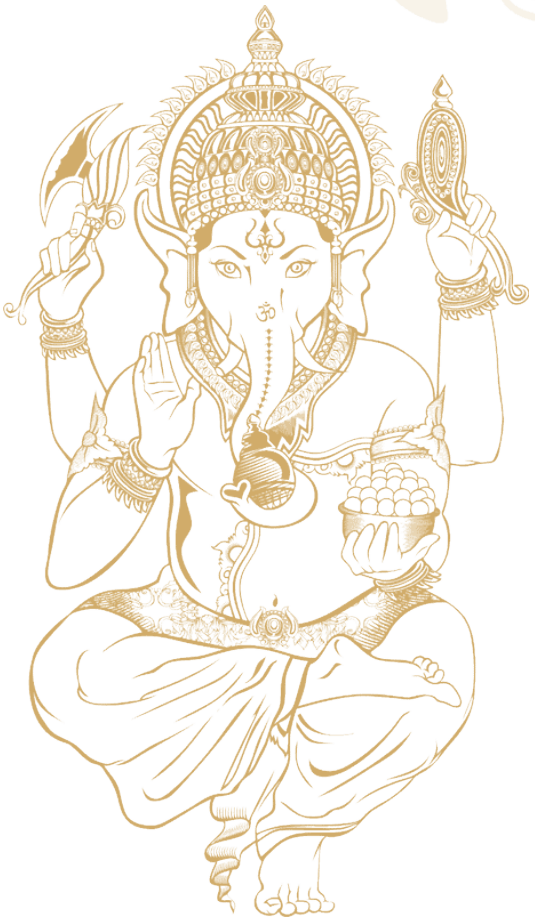

10 Aug 1983

09:45 AM

Nautanwa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121417002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/08/1983**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	10:52:02 घटी
स्थान	**Nautanwa**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:26:00 उत्तर
रेखांश	83:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:48:40 घंटे
वेलान्तर	-00:05:25 घंटे
साम्पातिक काल	07:01:01 घंटे
सूर्योदय	05:24:11 घंटे
सूर्यास्त	18:38:52 घंटे
दिनमान	13:14:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:21:53 कर्क
लग्न के अंश	19:55:19 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	19:55:19	319:39:55	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	---
सूर्य			कर्क	23:21:53	00:57:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	12:59:14	15:09:30	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			कर्क	04:05:28	00:38:56	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध			सिंह	19:00:03	01:18:39	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	07:39:37	00:02:10	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	15:05:04	00:14:57	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			तुला	05:21:37	00:03:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		मिथु	00:05:59	00:07:50	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	00:05:59	00:07:50	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	11:27:13	00:00:13	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
नेप	व		धनु	03:03:42	00:00:53	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	03:24:22	00:01:07	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	20:25:05	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:25

लग्न-चलित

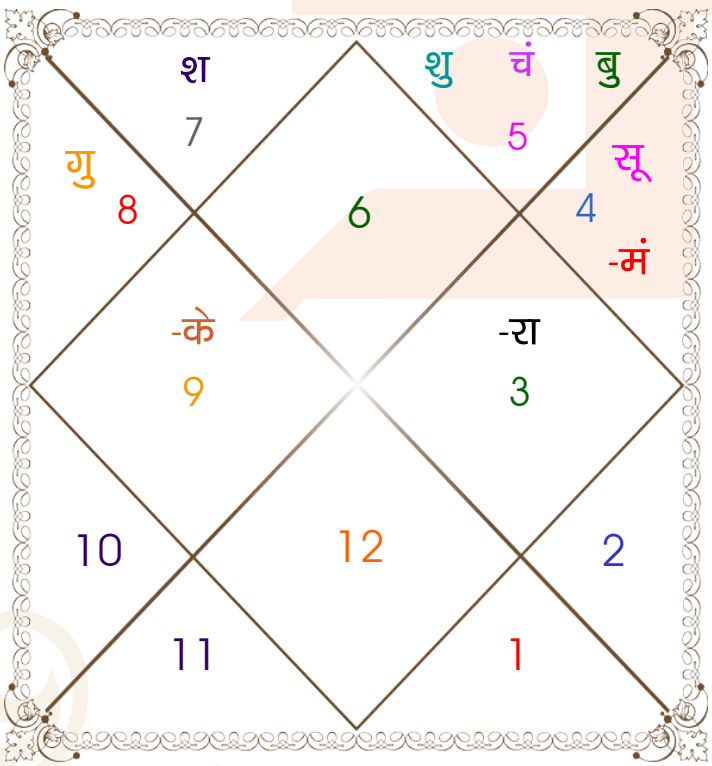

चन्द्र कुंडली

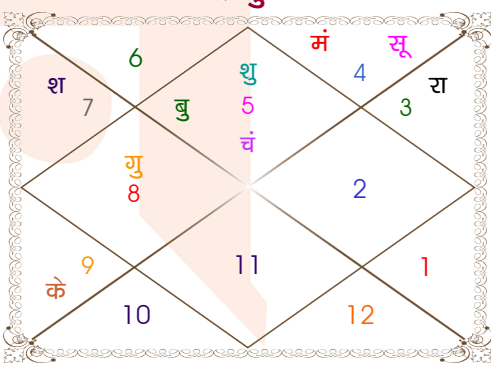

नवमांश कुंडली

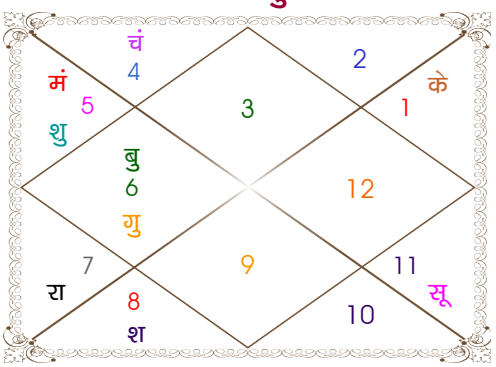

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 2 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/08/1983		15/10/1983		15/10/2003		15/10/2009		15/10/2019	
15/10/1983		15/10/2003		15/10/2009		15/10/2019		15/10/2026	
	00/00/0000	शुक्र	14/02/1987	सूर्य	02/02/2004	चंद्र	15/08/2010	मंगल	12/03/2020
	00/00/0000	सूर्य	14/02/1988	चंद्र	02/08/2004	मंगल	16/03/2011	राहु	31/03/2021
	00/00/0000	चंद्र	15/10/1989	मंगल	08/12/2004	राहु	14/09/2012	गुरु	07/03/2022
	00/00/0000	मंगल	15/12/1990	राहु	02/11/2005	गुरु	14/01/2014	शनि	16/04/2023
	00/00/0000	राहु	15/12/1993	गुरु	21/08/2006	शनि	15/08/2015	बुध	12/04/2024
	00/00/0000	गुरु	15/08/1996	शनि	03/08/2007	बुध	14/01/2017	केतु	08/09/2024
	00/00/0000	शनि	15/10/1999	बुध	09/06/2008	केतु	15/08/2017	शुक्र	08/11/2025
	10/08/1983	बुध	15/08/2002	केतु	15/10/2008	शुक्र	16/04/2019	सूर्य	16/03/2026
बुध	15/10/1983	केतु	15/10/2003	शुक्र	15/10/2009	सूर्य	15/10/2019	चंद्र	15/10/2026

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/10/2026		15/10/2044		15/10/2060		15/10/2079		15/10/2096	
15/10/2044		15/10/2060		15/10/2079		15/10/2096		11/08/2103	
राहु	27/06/2029	गुरु	03/12/2046	शनि	18/10/2063	बुध	13/03/2082	केतु	13/03/2097
गुरु	21/11/2031	शनि	15/06/2049	बुध	27/06/2066	केतु	10/03/2083	शुक्र	13/05/2098
शनि	27/09/2034	बुध	21/09/2051	केतु	06/08/2067	शुक्र	08/01/2086	सूर्य	18/09/2098
बुध	15/04/2037	केतु	27/08/2052	शुक्र	06/10/2070	सूर्य	14/11/2086	चंद्र	19/04/2099
केतु	04/05/2038	शुक्र	28/04/2055	सूर्य	18/09/2071	चंद्र	15/04/2088	मंगल	15/09/2099
शुक्र	03/05/2041	सूर्य	14/02/2056	चंद्र	18/04/2073	मंगल	12/04/2089	राहु	03/10/2100
सूर्य	28/03/2042	चंद्र	15/06/2057	मंगल	28/05/2074	राहु	31/10/2091	गुरु	09/09/2101
चंद्र	27/09/2043	मंगल	22/05/2058	राहु	03/04/2077	गुरु	04/02/2094	शनि	19/10/2102
मंगल	15/10/2044	राहु	15/10/2060	गुरु	15/10/2079	शनि	15/10/2096	बुध	11/08/2103

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 2 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।